गणतंत्र दिवस समारोह 2018 के भाग के रुप में "देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण" पर भाषण प्रतियोगिता

नेहरू युवा केंद्र संगठन (नेयुकेसं)

नेयुकेसं एक अद्वितीय संगठन है,यह विश्व का में सबसे बड़ा गैर राजनीतिक युवा संगठन है। राष्ट्र निर्माण के लिए युवाओं को संगठित करने, उनके बीच नेतृत्व के गुणों को विकसित करने और बेहतर नागरिक बनाने के लिए इसकी स्थापना वर्ष 1972 में की गई थी, नेयुकेसं भारत में लगभग 35 लाख युवाओं के नेटवर्क के साथ काम करता है। 623 जिला–स्तरीय नेहरू युवा केंद्र लगभग 1.65 लाख युवा मंडलों के माध्यम से गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला का प्रबंधन करते हैं। नेयुकेसं स्वैच्छिकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए हमेशा सबसे आगे रहता है, नेयुकेसं हर साल अच्छी तरह से प्रशिक्षित राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों के एक कैडर को बढ़ावा देता है। नेयुकेसं का उद्देश्य युवाओं को सशक्त बनाना और उनके दृष्टिकोण बहु–आयामी बनाना है। व्यक्तियों की अंतर्निहित सिंचित शक्तियों के माध्यम से दृष्टिकोण एक प्रक्रिया का अनुपालन करता है और जिसे सामाजिक नेटवर्क के विस्तार के साथ सम्मानित किया जाता है। इस प्रकार, वे स्वयं के लिए शक्ति उत्पन्न करते हैं और समुदाय की सेवा करते हैं।

नेयुकेसं द्वारा लागू कार्यक्रम समय के साथ विकसित हुए हैं और ये सुनिश्चित करते हैं कि देश के युवा समाज, अर्थव्यवस्था और विकास के परिवर्तन के संस्थापक है।

राष्ट्र निर्माण एवं देशभक्ति पर देशव्यापी भाषण प्रतियोगिता

बदलते राष्ट्रीय परिवेश में, युवाओं में अपनी मातृभूमि के लिए कुछ करने का जुनून है। मातृभूमि की ओर अपने जुनून को आगे बढ़ाने और उन्हें एक ओर अवसर प्रदान करने दूसरी ओर देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण में कम होती हुई रुचि की कुछ प्रवृत्ति को बदलने के लिए देशभक्ति में उनकी रूचि विकसित करने के लिए युवाओं के बड़े पैमाने पर एकत्रित करने और उन्हें राष्ट्र निर्माण की सार्थक गतिविधियों में जोड़ने की एक आवश्यकता महसूस की गई थी।

पहली भाषण प्रतियोगिता वर्ष 2015–16 में गणतंत्र दिवस समारोह 2016 के भाग के रूप में आयोजित की गई थी जिसमें लगभग 25000 प्रतिभागियों ने 30 राज्यों में ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर भाग लिया जो नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर सम्पन्न हुई।

दूसरी भाषण प्रतियोगिता दिसंबर 2016 – जनवरी 2017 के दौरान ऐसे जिलों में आयोजित की गई जहां पूर्णकालिक जिला युवा समन्वयक एवं लेखालिपिक–सह–टंकक थे।

उद्देश्य: –

उन्हें एक तरफ नेताओं के रूप में उभरने का अवसर प्रदान करने के लिए, और दूसरे देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण की भावना को और उत्साहित करने के लिए, राष्ट्रव्यापी भाषण प्रतियोगिता भारत भर में ब्लॉक, जिला, राज्य स्तर पर और राष्ट्रीय स्तर पर आकर्षक

पुरस्कारों के साथआयोजित की जाती है। नेयुकेसं द्वारा पिछले 3 वर्षों से राष्ट्रव्यापी भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।

2. उद्देश्य

ए) राष्ट्र निर्माण में भागीदारी बढ़ाने के लिए युवाओं और जनसाधारण के बीच में राष्ट्रवाद और देशभक्ति की भावना को मजबूत करना।

बी) नेतृत्व गुणवत्ता और अच्छा संवाद कौशल रखने वाले युवाओं की पहचान करना, ताकि उनके गुणों का और अधिक विकसित किया जा सके और राष्ट्र निर्माण की ओर अग्रसर सरकारी कार्यकलापों और नीतियों को समझने में उनके नेतृत्व को सक्षम करते हुए सरकार के राष्ट्रीय सर्वोत्कृष्ट कार्यक्रमों को लोकप्रिय बनाना।

भाषण प्रतियोगिता और इसके योगदानः –

भाषण प्रतियोगिताओं ने युवाओं को एक तरफ सार्वजनिक रूप से बोलने के अपने प्रस्तुति कौशल और कला को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया और पूरे युवा समुदाय के बीच वांछित माहौल बनाया। भारत में युवाओं के बीच स्वस्थ सकारात्मक बातचीत को बढ़ावा देने के साथ सोशल मीडिया को सक्रिय किया तथा संभावित क्षमता जागरूकता निर्माण, लोकप्रियता और भारत सरकार के राष्ट्रीय प्रमुख कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की सुविधा के लिए युवा नेता के विकास और उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास किया हैं। इससे युवाओं को अपने नेतृत्व के गुणों को विकसित और परिष्कृत करने में भी मदद मिली है।

भाषण प्रतियोगिता के विषय ने दर्शकों और प्रधान मंत्री की वित्तीय और सामाजिक समावेश योजनाओं के बारे में आधुनिक भारतीय विचारकों के बारे में जागरूकता पैदा करने और सभी प्रकार की सामाजिक बुराइयों को अस्वीकार करने के साथ–साथ देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने में काफी मदद की है।

रणनीतियाँ :–

• सभी क्षेत्रों और समाज के वर्गों और समाज के कमजोर वर्गों से संबंधित महिला और युवा समूहों से 18–29 वर्ष (1 नवंबर 2017 को) के आयु वर्ग में युवाओं को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया था।

• कार्यक्रम ब्लॉक स्तर पर संभावित अच्छे प्रतिभागियों की स्क्रीनिंग के साथ शुरू किया गया। शॉर्टलिस्टेड उम्मीदवार ने जिलों की स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लिया। अगले चरण के रूप में जिला स्तरीय प्रतियोगिता के विजेताओं ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया। राज्य स्तर के विजेताओं ने राष्ट्रीय स्तर के भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया।

पुरस्कार

- ब्लॉक स्तर – प्रतिभागियों की जांच, कोई पुरस्कार नहीं।
- जिला स्तर – प्रथम पुरस्कारः– रू. 5,000/–, द्वितीय पुरस्कारः– रू. 2,000/–, तृतीय पुरस्कारः– रू. 1,000/–

- राज्य स्तर – प्रथम पुरस्कारः– रू. 25,000/–, द्वितीय पुरस्कारः– रू. 10,000/–, तृतीय पुरस्कारः– रू. 5,000/–
- राष्ट्र स्तरीय – प्रथम पुरस्कारः– रू. 2,00,000/–, द्वितीय पुरस्कारः–रू. 1,00,000/– तथा तृतीय पुरस्कारः– रू. 50,000/–

प्रतियोगिता की भाषा

हिंदी और अंग्रेजी

विषय–देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण

समन्वय, प्रचार और संसाधन एकत्रीकरण

कार्यक्रम को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी, सतर्क और प्रभावी बनाने के लिए स्थानीय सार्वजनिक प्रतिनिधि जैसे– माननीय मंत्री, सांसद, विधायक, पीआरआई सदस्य, माननीय उपाध्यक्ष और सदस्य शासी बोर्ड, नेयुकेसं, जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिष्ठित व्यक्ति, राज्य सरकार और जिला प्रशासन अधिकारी, एसएसीवाईपी और डीएसीवाईपी के अध्यक्ष और सदस्य, शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुख, एनएसएस, एनसीसी, बीएसजी, एचएसजी, रेड क्रॉस सोसाइटी, इको क्लब, और जिनके साथ नेहरु युवा केन्द्र समन्वयक एवं सहयोग स्थापित करताहै, को कार्यक्रम के दौरान आमंत्रित किया गया।

निर्णायक मंडल का चयन

ब्लॉक स्तर से लेकर राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों के प्रदर्शन के स्तर का निर्णय करने हेतु तीन निर्णायकों का चयन किया गया था। माननीय न्यायाधीशों का चयन शिक्षाविदों, इतिहास, विकास, सामाजिक कार्यकर्ताओं और जन मीडिया आदि के क्षेत्र से प्रसिद्ध व्यक्तियों में से किया गया था।

भाषण प्रतियोगिता के एक्शन फोटो

कार्यक्रमः–

देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण पर भाषणप्रतियोगिता 3185 ब्लॉक, 351 जिलानेहरु युवा केन्द्रों और देश भर में 28 राज्यों में सफलतापूर्वक आयोजित की गई थी। कुल 28897 युवाओं ने सभी स्तरों पर राष्ट्रव्यापी भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया।

राष्ट्रीय स्तरीयभाषण प्रतियोगिताः –

गणतंत्र दिवस समारोह, 2018 के भाग के रूप में देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण पर राष्ट्रीय स्तर की भाषण प्रतियोगिता 20– 21 जनवरी, 2018 को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए), नई दिल्ली में आयोजित की गई थी।

28 राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के कुल 28 राज्य स्तर के प्रथम पुरस्कार विजेताओं ने दिल्ली में राष्ट्रीय भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया।

डॉ ए के दुबे, सचिव, (युवा मामले), युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इस अवसर के दौरान अपने भाषण में युवाओं का आव्हान किया कि जो कुछ भी आप करें, आप आत्मविश्वास और अपनी योग्यता के साथ और पूर्णता और देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण की दिशा में आपका योगदान होगा। उन्होंने आगे कहा कि, युवाओं को कभी हार नहीं माननी चाहिए और हमेशा अपने प्रयासों में प्रगति करना जारी रखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि देश का भविष्य युवाओं पर निर्भर करता है। देश का भविष्य युवाओं के कंधों है और उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने युवा जीवन के कम से कम एक वर्ष देश की सेवा में दें। उन्होंने भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी की नए भारत के लिए प्रतिज्ञा संकल्प से सिद्धी पर प्रकाश डाला और 2022 तक स्वच्छ भारत, गरीबी मुक्त भारत, भ्रष्टाचार मुक्त भारत, आतंकवाद मुक्त भारत, सांप्रदायिकता मुक्त भारत और जातिवाद मुक्त भारतबनाने के लिए प्रतिज्ञा लेने हेतु युवाओं का आवाहन किया।

उपाध्यक्ष, नेहरू युवा केंद्र संगठन ने राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र विकास के लिए समग्र पर्यावरण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने युवाओं को अनेकता में एकता के लिए काम करने और भारत को सामाजिक, सांस्कृतिक रुप से संपन्न बनाने के लिए आवाहन किया।

राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभागियों ने सम्मानित सभा के सम्मुख 10 मिनट की प्रस्तुति में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और सभी उपस्थित लोगों द्वारा सराहना की गई। प्रतिभागियों द्वारा वर्तमान राष्ट्र विकास के मुद्दों और परिदृश्यों के साथ देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण पर वर्तमान मुद्दे जैसे युवा सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, राष्ट्रय एकता एवं अखण्ड़ता, स्वामी विवेकानन्द जी की शिक्षा, अनेकता में एकता की भावना, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, भ्रष्टाचार मुक्त समाज, माननीय प्रधानमंत्री द्वारा आरंभ किए गए प्रमुख कार्यक्रमों में प्रतिभागिता एवं जागरुकता विकास जैसे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत मिशन, कैशलेस लेनदेन, डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री कौशल विकास कार्यक्रम, स्मार्ट सिटी, प्रधानमंत्री जन धन योजना, स्टार्ट अप इंडिया, स्टैण्ड अप इंडिया, निरंतर विकास आदि पर युवाओं की भागीदारी और जागरूकता विकास जैसे परिदृश्यों को जोड़ते हुए देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण पर अपनी प्रस्तुति दी। देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण की भावना साझा करने के साथ–साथ स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, सरदार पटेल, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, राजा राममोहन राय, दादाभाई नौरोजी और स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन और कार्यों को प्रतिभागियों द्वारा उनकी प्रस्तुति में उद्धृत किया गया था।प्रतिभागियों ने बाल श्रम, बाल विवाह, निरक्षरता, नशीली दवाओं और शराब के दुरुपयोग, कन्या भ्रूणहत्या, आतंकवाद, वामपंथी चरमपंथ, क्षेत्रीयवाद और जातिवाद, बेरोजगारी इत्यादि जैसी सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन के लिए भी बात की।

यह ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित किया गया कि राष्ट्रीय स्तर की भाषण प्रतियोगिता में महिला भागीदारी अधिक थी, जो कुल प्रतिभागियों का 57प्रतिशत थी, यह प्रवृत्ति राष्ट्र विकास के लिए प्रोत्साहित करती है। महानिदेशक, नेयुकेसं ने युवाओं को सलाह दी कि जीवन में कड़ी मेहनत, ईमानदारी और अनुशासन पूरे जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सबसे अच्छामाध्यम हैं।

राष्ट्रीय भाषण प्रतियोगिता के जजों के पैनल ने राष्ट्र विकास में युवा भागीदारी के परिप्रेक्ष्य में देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण पर अपने विचार और अनुभव साझा किए। जिससे प्रतिभागियों में ऊर्जा का संचार हुआ।

दिनांक 28 जनवरी 2017 को राष्ट्रीय रंगशाला शिविर, दिल्ली छावनी, नई दिल्ली में राष्ट्रीय भाषण प्रतियोगिता के पहले, दूसरे और तीसरे पुरस्कार विजेताओं को माननीय केन्द्रीय मंत्री के साथ बातचीत करने का अवसर मिला।

कार्यक्रम का निष्कर्ष एवं प्रभाव –

विगत तीन वर्षों से भाषण प्रतियोगिता द्वारा सामान्य जनता के बीच देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण के विकास के लिए युवाओ को प्रोत्साहित करने की प्रक्रिया शुरू की है और राष्ट्र विकास के लिए राष्ट्रीय प्रमुख कार्यक्रमों पर जागरूकता को सुविधाजनक बनाने के लिए भी काम शुरू किया है। भाषण प्रतियोगिताओं ने युवाओं को एक तरफ सार्वजनिक रूप से बोलने के अपने प्रस्तुति कौशल और कला को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया और पूरे युवा समुदाय के बीच वांछित माहौल बनाया। भारत में युवाओं के बीच स्वस्थ सकारात्मक बातचीत को बढ़ावा देने के साथ सोशल मीडिया को सक्रिय किया तथा संभावित क्षमता जागरूकता निर्माण, लोकप्रियता और भारत सरकार के राष्ट्रीय प्रमुख कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की सुविधा के लिए युवा नेता के विकास और उन्हेंआगे बढ़ाने का प्रयास किया हैं। इससे युवाओं को अपने नेतृत्व के गुणों को विकसित और परिष्कृत करने में भी मदद मिली है। इससे देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण पर स्वस्थ बहस के लिए बहुत सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ और युवाओं के बीच देशभक्ति और राष्ट्रवाद की भावना उत्पन्न हुई है।

देशभर में देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण पर ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता का डाटा							
क्र.सं..	राज्य	ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता		जिला स्तरीय प्रतियोगिता		राज्य स्तरीय प्रतियोगिता	
		ब्लॉकों की संख्या	ब्लॉक स्तर पर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की संख्या	जिलों की संख्या	जिला स्तर पर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की संख्या	राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की तिथि	राज्य स्तर पर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	76	884	8	259	20.12.2017	8
2	आसाम	148	961	18	316	30.12.2017	17
3	बिहार	393	4716	29	1868	28.12.2017	24
4	छत्तीसगढ़	39	243	5	78	-	-
5	दिल्ली	-	-	6	-	-	-
6	गुजरात	-	-	10	-	-	-
7	हरियाणा	83	977	14	299	08.01.2018	14
8	हिमाचल प्रदेश	68	1025	9	204		9
9	जम्मू एवं कश्मीर	48	430	5	189	18.12.2017	3
10	झारखंड	108	1631	11	247	29.12.2017	-
11	कर्नाटक	91	769	16	175	06.01.2018	-
12	केरल	90	323	11	158	23.12.2017	11
13	मध्य प्रदेश	130	-	22	-	-	-
14	महाराष्ट्र	295	1475	27	290	19.12.2017	23
15	मणिपुर	-	-	7	-	-	-
16	मेघालय	-	-	2	15	14.12.2017	2
17	मिजोरम	8	27	2	18	14.12.2017	2
18	नागालैंड	-	-	2	-	-	-
19	उडीसा	103	4060	11	515	22.12.2017	10
20	पंजाब	80	540	12	150	22.12.2017	11
21	राजस्थान	162	1715	22	349	-	22
22	सिक्किम	8	43	1	24	15.12.2017	11
23	तमिलनाडू	147	621	23	469	16.12.2017	21
24	तेलंगाना	33	238	6	55	19.12.2017	5
25	त्रिपुरा	21	141	3	42	23.12.2017	3
26	उत्तर प्रदेश	393	5659	41	1062	22-23दिसम्बर 2017	37
27.	उत्तराखंड	34	130	6	69	22.12.2017	6
28.	पश्चिम बंगाल	627	2289	22	327	03.1.2018	20
	कुल	**3185**	**28897**	**351**	**7178**		**259**